हिंदी सांध्य दैनिक

भवानी टाईम्स

प्रधान संपादक : चंद्रकांत खंडेलवाल, 9422831140 | RNI Reg.NO.39851/1981 | E-mail : bhawanitimes@gmail.com | संपादक : प्रदिप शेंडे, 9823924676

वर्ष : 46 | अंक : 70 | गोंदिया, मंगलवार दि. 11 अगस्त 2026 | पृष्ठ : 04 | मूल्य : 1.10 रू | Post Redg.NPMFL/27/2024-2026

छात्रों ने किया पौधारोपण

संवाददाता / गोंदिया

जी.ई.एस. हाईस्कूल रावणवाड़ी के छात्रों ने पौधे लगाकर पर्यावरण के प्रति जनजागरण किया. पेड़ों की घट रही संख्या और शुद्ध हवा तथा हरा-भरा परिसर बने इस उद्देश्य से हाईस्कूल के छात्रों ने रेली निकालकर कर सभी को पौधे लगाने का संदेश दिया और स्वयं रावणवाड़ी-अर्जुनी मार्ग के दोनों छोर पर पौधे लगाए. इस पौधारोपण कार्यक्रम में हाईस्कूल तथा महाविद्यालय के छात्रों के साथ जीईएस हाईस्कूल के सभी शिक्षक मुख्याध्यापक और अन्य कर्मचारियों ने हिस्सा लिया.

संक्षिप्त

छात्रों को दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

दरेकसा : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, सालेकसा के तत्वावधान में श्री गुरुदेव हाई स्कूल एवं कनिष्ठ महाविद्यालय तथा शासकीय आश्रम शाला, जमाकुडो में युवा नशा मुक्ति मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नशे के कारण होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई. मार्गदर्शकों ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं. युवाओं का नशा मुक्त रहना स्वस्थ समाज एवं सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए आवश्यक है. इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने तथा नशा मुक्त भारत निर्माण में सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य राजेश डोंगरे ने की. उद्घाटन पंचायत समिति के पूर्व उपसभापति मनोज विश्वकर्मा ने किया. प्रमुख मार्गदर्शक के रूप में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बीके सविता दीदी, बीके ममता दीदी एवं बीके लीला दीदी ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया.

शहर में सर्पदंश से वृद्धा की मौत

गोंदिया : रामनगर थाने के तहत हिवरा स्कूलटोली निवासी अनुसया देवाजी पुसाम (65) को सांप ने काट लिया. उसे सहयोग अस्पताल गोंदिया में उपचार के लिए भर्ती किया गया. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी डा. पोसनलाल बिसेन की शिकायत पर रामनगर पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार राजू वनवे कर रहे हैं.

नशे में जहर पीने से व्यक्ति की मौत

गोंदिया : ग्रामीण थाने के तहत खमारी निवासी प्रल्हाद सोहनलाल उईके (40) ने शराब के नशे में जहर का सेवन कर लिया. उसे केटीएस अस्पताल में भर्ती किया गया. जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फिर्यादी ममता प्रल्हाद उईक (40) की शिकायत पर ग्रामीण पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार धुवारे कर रहे हैं.

फांसी लगाकर युवती ने की आत्महत्या

गोंदिया : गंगाझरी थाने के तहत टावरटोली मुंडीपार निवासी जिया जितेंद्र कोहले (17) ने अपने घर पर फांसी लगा ली. उसे केटीएस अस्पताल में ले जाया गया. जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. फिर्यादी डा. सौरभ गुप्ता की शिकायत पर गंगाझरी पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार अनिल पारधी कर रहे हैं.

गंगाझरी पुलिस की धाकड़ कार्रवाई

16 वर्षीय किशोर की हत्या का रहस्य चंद घंटों में सुलझा!

पुराने विवाद का बदला लेने रची गई साजिश का खुलासा

संवाददाता / तिरोड़ा

गंगाझरी पुलिस थाना क्षेत्र के बेरडीपार-काचेवानी इलाके में 9 अगस्त को संदिग्ध परिस्थितियों में मिले 16 वर्षीय किशोर के शव की गुत्थी पुलिस ने महज कुछ ही घंटों में सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के अनुसार, पुराने विवाद को लेकर साजिश रचकर किशोर की चाकू से वार कर हत्या की गई। इस मामले में तीन विधि-संघर्षरत बालकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जिसमें हत्या की घटना से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की बात पुलिस ने कही है। मृतक की पहचान मोहम्मद इकबाल शाह फकीर (16), निवासी फकीरटोली, काचेवानी के रूप में हुई है। 9 अगस्त को बेरडीपार स्थित श्मशान घाट परिसर से लगे खेत में उसका शव संदिग्ध अवस्था में मिला था। घटना की सूचना मिलते ही गंगाझरी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया तथा प्रारंभ में आकस्मिक मृत्यु दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को मिली गोपनीय जानकारी के आधार पर

तीन विधि-संघर्षरत बालकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस का दावा है कि पूछताछ में पुराने विवाद को लेकर किशोर के खिलाफ साजिश रचने तथा उसके गले और पीठ पर चाकू से वार किए जाने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने मामले को हत्या का रूप देते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 61(2) एवं 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया है। शुरुआत में शव जंगल से सटे खेत में मिलने के कारण वन्यप्राणी के हमले की आशंका भी व्यक्त की जा रही थी। हालांकि, पुलिस जांच आगे बढ़ने के साथ ही मामला हत्या का होने की दिशा में स्पष्ट होता गया। इस खुलासे से बेरडीपार-काचेवानी क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

पुलिस अधीक्षक, गोंदिया तथा उपविभागीय पुलिस अधिकारी गजानन गुल्हाने, तिरोड़ा के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक धीरज राजूरकर के नेतृत्व में पुलिस उपनिरीक्षक अजित धाराव, परिवीक्षाधीन पुलिस उपनिरीक्षक अक्षय गवई सहित गंगाझरी पुलिस थाना के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने कार्रवाई को अंजाम दिया। स्थानीय अपराध शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भी जांच में महत्वपूर्ण सहयोग किया। पुलिस के इस त्वरित जांच अभियान से गंभीर अपराध का पर्दाफाश होने के साथ ही क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की सक्रियता भी सामने आई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

तबेले में लगी आग, दो गायें झुलसी

संवाददाता / गोंदिया

भरी बारिश में जानवरों के तबेले को आग लगने की घटना शनिवार 8 अगस्त की रात को तिरोड़ा तहसील के कोयलारी ग्राम में सामने आयी है। इस आग की चपेट में दो गाय आने से वह बुरी तरह से झुलस गई। समय पर आग की घटना निर्देश में आने से उसे बुझाया गया।

इस घटना की जानकारी तिरोड़ा के तहसीलदार तथा पटवारी को दी गई है। आग किस वजह से लगी इसकी जानकारी फिलहाल

नहीं लग पायी है। इस संदर्भ में महेंद्र भांडारकर ने जानकारी देते हुए बताया कि कोयलारी निवासी किसान सत्यभान सुकराम रहांगडाले के मालकीयत के जानवरों के तबेले को अचानक रात 2 बजे के दौरान आग लग गई। तबेले में गौवंश बांधे हुए थे। घटना निर्देश में आते ही पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पा लिया गया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन तबेले में बंधी दो गायें बुरी तरह से झुलस गई। घटना की जानकारी मिलते ही पशु वैद्यकीय अधिकारी ने घटनास्थल पर पहुंचकर झुलसी हुई दोनों गायों पर उपचार किया गया। आगजनी की जानकारी तहसीलदार को दी गई। पटवारी द्वारा नुकसान का पंचनामा किया गया। प्रहार संगठन के जिलाध्यक्ष महेंद्र भांडारकर ने पीड़ित किसान को तत्काल आर्थिक मदद करने की मांग राजस्व विभाग से की है।

रुद्री पाठ, हवन एवं पूर्णाहुति के साथ महाअनुष्ठान कार्यक्रम संपन्न

संवाददाता / तिरोडा

श्रावण मास के पावन अवसर पर तिरोड़ा स्थित प्राचीन भूतनाथ मंदिर में आयोजित दो दिवसीय असंख्य पार्थिव निर्माण एवं शिवार्चन महाअनुष्ठान का 10 अगस्त को श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में दिनभर 'हर-हर महादेव' और 'ॐ नमः शिवाय' के जयघोष गूंजते रहे। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठान में सहभागी होकर भगवान भोलेनाथ का विधिवत पूजन किया।

राष्ट्रीय वक्ता एवं कथाव्यास श्रद्धेय डॉ. पं. नंदकिशोरजी मिश्रा (बेरडीपार वाले) के पावन सान्निध्य में आयोजित इस महाअनुष्ठान का शुभारंभ 9 अगस्त को श्री गणेश पीठ पूजन के साथ हुआ था। इसके पश्चात 10 अगस्त को प्रातः से ही शिवभक्तों ने पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण कर विधि-विधान से शिवार्चन किया। महाअनुष्ठान के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्री पाठ, हवन एवं पूर्णाहुति संपन्न हुई। धार्मिक वातावरण में श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ पूजा-अर्चना कर भगवान शिव से सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई, जिसका बड़ी संख्या में उपस्थित भक्तों ने लाभ लिया।

श्रावण मास को भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष एवं पुण्यदायी माना जाता है। इसी धार्मिक भावना के साथ आयोजित इस महाअनुष्ठान ने क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना, धार्मिक संस्कार और

सामाजिक समरसता का संदेश दिया। आयोजन के माध्यम से भारतीय वैदिक परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों को भी जनमानस तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। यह आयोजन ठाकुर समाज महिला मंडल एवं सकल समाज शिवभक्त परिवार, तिरोड़ा के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में ममता बैस, किरण परमार, छाया बाई सारस्वर, निशा दीदी गहरवार, पदमा बैस, योगिता तोमर, ज्योति परमार, पुष्पा बैस, दुर्गा चौहान, शायली राठौर, सरला बैस, सिंधु हीरापूरे, सरिता चौरसिया, गौरी येरपुडे एवं निकिता लारोकर सहित ठाकुर समाज और सकल समाज की महिलाओं एवं शिवभक्त परिवारों ने सक्रिय सहयोग किया। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं, शिवभक्तों एवं धर्मप्रेमी नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक धार्मिक आयोजनों से समाज में आध्यात्मिक चेतना के साथ-साथ आपसी भाईचारा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान मजबूत होता है।

सड़कों पर जलकुंड से फूटा लोगों का गुस्सा

संवाददाता / गोरेगांव

तहसील के ग्राम सोनी में बदहाल सड़कों ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है. गांव की मुख्य सड़कें बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं, जिनमें बरसात का गंदा पानी जमा होने से हालात और गंभीर हो गए हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि विकास के बड़े-बड़े दावे करने वाले जनप्रतिनिधि और ग्राम पंचायत प्रशासन समस्या के समाधान को लेकर उदासीन बने हुए हैं. ग्रामीणों के अनुसार, चुनाव के समय विकास के वादे किए जाते हैं, लेकिन चुनाव समाप्त होते ही जनप्रतिनिधि गांव की समस्याओं से मुंह मोड़ लेते हैं. सड़क पर बने गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से पैदल चलना मुश्किल हो गया है, जबकि दोपहिया वाहन चालक आए दिन फिसलकर घायल हो रहे हैं. ग्रामीणों ने यह भी चिंता जताई कि कई दिनों से जमा गंदा पानी मच्छरों के प्रजनन का केंद्र बन गया है, जिससे मलेरिया, डेंगू और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है. उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद सरपंच और ग्राम पंचायत की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई. गांववासियों ने प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत करने, गड्ढों को भरने और जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है. साथ ही समस्या का समाधान शीघ्र नहीं होने पर प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने की चेतावनी दी है.

भोले के जयकारों के साथ निकली कांवड़ यात्रा

आमगांव : श्रावण माह के दूसरे सोमवार, 10 अगस्त को भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के उद्देश्य से संस्कार ग्रुप युवा संगठन द्वारा लगातार 20वें वर्ष भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया. इस यात्रा में हजारों शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. इस दौरान पूरा क्षेत्र 'बम-बम भोले' और 'ओम नमः शिवाय' के जयकारों से गूंज उठा. कांवड़ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं ने बाघ नदी से पवित्र जल भरा. इसके बाद भगवान शिव की आकर्षक झांकी के साथ कांवड़ यात्रा प्रारंभ हुई. बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चे भगवा एवं पीले वस्त्र धारण कर यात्रा में शामिल हुए. कांवड़ यात्रा बाघ नदी-सालेकसा रोड से प्रारंभ होकर कामठा चौक, गांधी चौक, मानकर चौक, आंबेडकर चौक, रिसामा तथा रेलवे स्टेशन रोड होते हुए महादेव पहाड़ी स्थित शिव मंदिर पहुंची. श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया.

किसानों को विदेश जाकर अध्ययन का मौका

17 अगस्त तक कर करें आवेदन : कृषि विभाग की योजना

संवाददाता / गोंदिया

राज्य के किसानों को केवल उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने तक सीमित न रखते हुए कृषि उपज की गुणवत्ता में सुधार के लिए आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने नई पहल शुरू की है. इसके तहत वर्ष 2026-27 में राज्य के किसानों के लिए विदेश अध्ययन दौरे का आयोजन किया जाएगा.

योजना के अंतर्गत यूरोप और चीन का चयन किया गया है. कृषि क्षेत्र में दुनिया में समय-

समय पर हो रहे बदलावों और विकसित हो रही तकनीक की जानकारी किसानों तक पहुंचाने तथा उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन और सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह योजना लागू की जा रही है. इच्छुक किसानों को 17 अगस्त तक संबंधित तहसील कृषि अधिकारी कार्यालय में आवेदन जमा करना होगा.

प्राप्त आवेदनों में से जिला स्तरीय समिति के समक्ष लॉटरी के माध्यम से लाभार्थियों का चयन किया जाएगा. अध्ययन दौरे पर जाने वाला लाभार्थी स्वयं किसान होना अनिवार्य है. उसके नाम पर वर्तमान अवधि का 7/12 व 8-अ उतारा होना चाहिए. आय का मुख्य साधन खेती होना चाहिए और इसकी जानकारी स्वयंघोषणापत्र में देना होगा. इसके अलावा किसान के पास एग्रिस्टैक आईडी होना आवश्यक है. एक किसान परिवार से केवल एक व्यक्ति ही इस योजना का लाभले सकेगा. आयु कम से कम 25 वर्ष पूर्ण होना जरूरी है.

विश्व आदिवासी दिवस पर शहीद मिश्रा विद्यालय में मार्गदर्शन शिविर एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं

चित्रकला और गीत गायन स्पर्धा में विद्यार्थियों का उत्स्फूर्त सहभाग

संवाददाता / तिरोड़ा

स्थानीय शहीद मिश्रा विद्यालय एवं कनिष्ठ महाविद्यालय, तिरोड़ा में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों के लिए विशेष मार्गदर्शन शिविर आयोजित किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के कलागुणों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से चित्रकला एवं गीत गायन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

मार्गदर्शन शिविर में तालुकास्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त

करने वाली मेधावी छात्रा कुमारी अलीना एजाज शेख ने विद्यार्थियों को 10वीं की परीक्षा की तैयारी के संबंध में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने परीक्षा का उचित नियोजन, समय प्रबंधन, नियमित अध्ययन, महत्वपूर्ण प्रश्नों का अभ्यास, लेखन कौशल तथा आत्मविश्वास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी। अपने अनुभवों के माध्यम से सफलता की यात्रा साझा करते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। विद्यार्थियों ने भी विभिन्न प्रश्न पूछकर मार्गदर्शन का लाभ उठाया।

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आदिवासी संस्कृति, परंपरा, प्रकृति संरक्षण एवं पर्यावरण जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं गीत गायन प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विभिन्न गीत प्रस्तुत किए और अपनी गायन कला का सुंदर प्रदर्शन किया। इस अवसर पर शंकर शिक्षण संस्था के अध्यक्ष रमेशचंद्रजी झरारिया, उपाध्यक्ष संजीवजी कोलते एवं सचिव उमाकांतजी हारोडे ने विजेता विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की उपप्राचार्या सीमा भाजीपाले तथा पर्यवेक्षक टिकाराम पटले एवं पुरुषोत्तम बोकड़े ने मेधावी विद्यार्थियों का सत्कार किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के मुख्याध्यापक निकेश कुमार मिश्रा ने विशेष प्रयास किए। शिक्षक दिलीप झरारिया, तारेंद्र रहांगडाले, प्रेमलता ठाकरे, ज्योति पुरी, लोकेश चौरावार, गायत्री व्यास, संगीता भगत, सचिन हारोडे, भागवत ठाकरे, पी.एन. कुंभरे एवं अक्षय शेरकर ने विशेष सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन गौरव जयस्वाल ने किया।

स्वतंत्र विदर्भ राज्य की मांग को लेकर आंदोलन

नागपुर में एकजुट हुए विदर्भवादी

गोंदिया : स्वतंत्र विदर्भ राज्य की मांग को लेकर विदर्भ राज्य आंदोलन समिति की ओर से रविवार को नागपुर में दीक्षाभूमि से संविधान चौक तक लॉन्ग मार्च निकाला गया. इसके बाद संविधान चौक पर विशाल जनसभा आयोजित की गई. विदर्भ के विभिन्न हिस्सों से किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं और विदर्भवादी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुए. आंदोलन में स्वतंत्र विदर्भ राज्य की प्रमुख मांग के साथ किसानों की आत्महत्या रोकने, विदर्भ का सर्वांगीण विकास, बेरोजगारी दूर करने, नक्सलवाद पर नियंत्रण तथा प्रदूषण और कुपोषण जैसी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई गई. लॉन्ग मार्च का नेतृत्व

एड. वामनराव चटप, किसान नेता प्रकाश पोहरे, युवा आघाड़ी अध्यक्ष मुकेश मासुरकर और पूर्व विदर्भ अध्यक्ष अरुण केदार सहित विदर्भ राज्य आंदोलन समिति की कोर कमेटी ने किया. दीक्षाभूमि से शुरू हुआ मार्च संविधान चौक पहुंचा, जहां इसका रूपांतरण विशाल जनसभा में हुआ. जनसभा में स्वतंत्र विदर्भ राज्य की मांग को लेकर आंदोलन को और व्यापक व मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया. साथ ही आगामी दिनों में गांव-गांव जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया. गोंदिया जिले से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने 'स्वतंत्र विदर्भ राज्य बनना ही चाहिए' और 'जय विदर्भ' के नारों के साथ आंदोलन में उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई.

संपादकीय

जेन-जी में गुस्सा क्यू

आजकल चारों तरफ जेन-जी की ऐसी धूम मची है मानो यही एकमात्र राष्ट्रीय मुद्दा और मसला हो! टीवी चैनलों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, राजनीतिक प्रवक्ताओं की बहस कराई जा रही है, युवा चेहरे 'गोलमेज सम्मेलन' की तर्ज पर अपने पक्ष रख रहे हैं, नतीजतन प्रख्यात गायक तथा थिएटर-हस्ती पीयूष मिश्रा ने रांची पहुंच कर सत्याग्रही युवाओं से संवाद किया। उन्हें 'आरंभ, प्रचंड' वाला गीत सुना कर नई हिम्मत, नया हौसला देने की कोशिश की। जेन-जी आंदोलित हो रही है, लिहाजा देश के विभिन्न हिस्सों में परिदृश्य बदल रहे हैं। देहरादून में दिव्यांग छात्रों ने, जयपुर के एक स्कूल में 'मूक-बधिर' छात्राओं ने, बिहार के मुजफ्फरपुर समेत दिल्ली, केरलम, कर्नाटक, पंजाब आदि राज्यों में छात्रों, युवाओं के विरोध-प्रदर्शनों ने एक नया उबाल पैदा कर दिया है। यह देश की जेन जी है, जिसकी संख्या ३७-४० करोड़ बताई जा रही है। इनमें करीब २७ करोड़, २५ फीसदी से अधिक, मतदाता हैं, जिनकी संख्या २०२९ के लोकसभा चुनाव तक बढ़ सकती है। २०२७ में उप्र, गुजरात समेत सात राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। वहां करीब २२ फीसदी जेन जी हैं। यदि ५ फीसदी वोट ही इधर-उधर हो गए, तो सत्ता के तमाम समीकरण असंतुलित हो जाएंगे। जेन जी के इन तमाम विरोध-प्रदर्शनों में 'कॉकरोच' अनुपस्थित रहे हैं, लेकिन सी-वोटर के एक सर्वेक्षण में 'प्रमुख कॉकरोच' अभिजीत दिपके को 'नेता' के तौर पर १२ फीसदी से अधिक लोगों ने पसंद किया। बेशक सर्वे का सैंपल साइज सीमित हो, लेकिन यह जनमत भी महत्वपूर्ण है, जबकि दिपके का जेन जी में योगदान 'राजनीतिक-सा' रहा है। अभी उन्हें खुद को जेन जी का प्रतिनिधि चेहरा साबित करना है। सर्वे की इस पसंद की थाह और वजह हम नहीं जानते। बहरहाल जेन जी की प्रासंगिकता के कारण ही प्रधानमंत्री मोदी ने आईआईटी दिल्ली के ३०३६ 'नव स्नातकों' को संबोधित किया, उन्हें 'गुरु मंत्र' की तरह उपदेश दिया और जेन जी को ताकत मानते हुए उनमें 'भरोसा' जताया। जेन जी देश की ताकत और भविष्य हैं। वे सवाल भी करें, लेकिन समाधान भी खोजें। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने प्रयागराज में अपना 'छात्रों की गूंज' अभियान जारी रखा, लेकिन समझ नहीं आया कि वोट चोरी, नोटबंदी, जीएसटी, अदाणी आदि जेन जी के मसले हैं अथवा शिक्षा-सुधार, व्यवस्था-परिवर्तन, पेपरलीक, भर्तियों की खरीद-फरोख्त जेन जी के बुनियादी सरोकार और उनकी चिंताएं हैं? बहरहाल जेन जी उबल रही है। उसमें आक्रोश, नाराजगी, गुस्सा, उपेक्षा और वंचित होने के भाव हैं, तो उनके भी भयावह और बुनियादी कारण हैं। मसलन-बीते एक दशक के दौरान करीब १.०२ लाख सरकारी स्कूल बंद हुए हैं। करीब १.०४ लाख स्कूलों में एक ही अध्यापक है, जो छात्रों को सभी विषय पढ़ाता है। दुनिया का एक और आश्चर्यष्ठ! सरकारी स्कूलों में औसतन ५.१ शिक्षक हैं, जबकि निजी स्कूलों में यह औसत ११.१ है। सरकारी स्कूलों में इतने पद खाली हैं, यदि उन्हें भर लिया जाए, तो बेरोजगारी एकदम नीचे आ जाएगी। करीब ३३ लाख छात्र इन एक-अध्यापकीय स्कूलों में पंजीकृत हैं। ऐसे पंजीकरण को ही साक्षरता दर माना जाता रहा है, लिहाजा राष्ट्रीय दर शानदार लगती है। यथार्थ तो बेहद काला और कुरूप है। इन स्कूलों में छात्र पढ? जाते हैं अथवा नहीं, इसका कोई डाटा उपलब्ध नहीं है, लेकिन एक भयावह तथ्य जरूर है कि देश में करीब ४८ फीसदी छात्र १२वीं कक्षा तक अपनी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। देश में ६९,६७३ सरकारी स्कूलों में लडक़ों के लिए शौचालय नहीं हैं और ४६,३४५ स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय की सुविधाएं नहीं हैं। लाइब्रेरी से वंचित ५५०८३ स्कूल हैं, जबकि ४.०८ लाख सरकारी स्कूलों में कम्प्यूटर की पूरी सुविधाएं नहीं हैं। विडंबना है कि करीब ४८ फीसदी छात्र सरकारी स्कूलों में ही पढ़ाई कर पाते हैं, क्योंकि उनके परिवार गरीब, निम्न दर्जे के हैं, निजी स्कूल के खर्चे वहन करने में असमर्थ हैं। ये जेन जी बनेंगे, तो उन्हें पर्याप्त रोजगार कैसे मिलेगा अथवा वे प्रतियोगी परीक्षाएं कैसे पास करेंगे? ऐसे असंख्य आंकड़े और डाटा हैं। हम ऐसे नकारात्मक पक्ष को पेश करने के पक्षधर नहीं हैं, लेकिन यही यथार्थ है,

छात्रों की पलंगयुक्त बिस्तर की मांग को दरकिनार किया

गढ़चिरोली सर्पदंश की घटना में लापरवाही उजागर, 14 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

संवाददाता । गढ़चिरोली

कुपारलिंगो शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक विकास अनुसंधान संस्था, गढ़चिरोली की ओर से जपतलाई में संचालित अनुदानित प्राथमिक एवं माध्यमिक आश्रम शाला की छात्राओं ने बार-बार पलंग वाले बिस्तरों की मांग की, लेकिन स्कूल प्रबंधन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। पलंगयुक्त बिस्तर नहीं मिलने के कारण लड़कियों को जमीन पर बिछे गद्दे पर ही सोना पड़ रहा है। परिणामस्वरूप इस लापरवाही के कारण तीन बच्चियों को अपनी जान गंवानी पड़ी है।

आश्चर्यजनक रूप से इस घटना के दौरान छात्रावास की महिला अधीक्षक भाग्यश्री चिलमवार गैरहाजिर थीं। याद रहे

कि रविवार की देररात एक जहरीला सांप छात्रावास में घुसा और जमीन पर सो रही छह छात्राओं को एकसाथ डंस लिया था।

१४ छात्राएं निगरानी में : सांप के काटने की घटना के बाद शेष छात्राएं भयभीत हैं। छात्रावास की १४ छात्राओं को गढ़चिरोली जिला अस्पताल में दाखिल करवाया गया है, जहां डॉक्टर उन पर नजर रख रहे हैं।

मृत छात्राओं के परिजनों को ५-५ लाख

सह पालकमंत्री अधि. आशीष जायसवाल ने बताया कि मृत छात्राओं के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की मदद दी जाएगी। इसमें से एक-एक लाख रुपए तत्काल मुहैया करवा दिए गए हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री सहायता निधि से प्रत्येक को अतिरिक्त ५ लाख रुपए की मदद समेत अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा जाएगा।

इसमें अनिता दर्रो, आंचल दुगा, शिवांगी मड़ावी, सुहानी मड़ावी, अश्विनी दुगा, प्रियंका कोवाची, पिंकी कुनुर, अमिता मिंडा, संगीता हलामी, वर्षा तुलावी, देवली पदा, रुक्मिणी उसेंडी समेत अन्य का समावेश है।

सहपालक मंत्री पहुंचे जपतलाई

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना की तुरंत जानकारी ली और जिले के सहपालक मंत्री अधि. आशीष जायसवाल को गढ़चिरोली भेजा है। जायसवाल ने गढ़चिरोली आते ही सीधे जपतलाई पहुंचकर घटना की जानकारी ली।

बेहद गंभीर घटना : उईके

आदिवासी विकास मंत्री डॉ. अशोक उईके ने अनुदानित आश्रम स्कूल की घटना को बेहद गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि छात्रों की सुरक्षा की अनदेखी को गंभीरता से लिया जाएगा। इस घटना में दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

हत्थे चढ़ा 8 माह से फरार अपराधी; 3 मामलों में थी तलाश

नागपुर : धोखाधड़ी और चोरी के मामलों में पिछले आठ महीने से फरार चल रहे शातिर आरोपी को धंतोली पुलिस की जांच टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी विभिन्न थानों में दर्ज आपराधिक मामलों में पुलिस को वांछित था। अजनी चौक स्थित पुष्पक बार एंड रेस्तरां के मालिक प्रकाश देवानंद लारोकर ने घटना से करीब 10 से 15 दिन पहले रामनगर, चंद्रपुर निवासी सूरज बाबूराव वाढई को बार में मैनेजर के रूप में काम पर रखा था। 3 मई की शाम करीब 5.30 से 5.45 बजे के बीच बार के काउंटर पर अन्य कर्मचारी या वेटर मौजूद नहीं थे। इसका फायदा उठाकर सूरज ने काउंटर में रखे 51,800 नकद चुरा लिए और मौके से फरार हो गया। चोरी की पूरी वारदात बार में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई थी।

शिकायत के आधार पर धंतोली पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। वारदात के बाद से वह लगातार पुलिस को चकमा दे रहा था। जांच के दौरान पता चला कि सूरज वाढई के खिलाफ नागपुर शहर और चंद्रपुर जिले के अन्य पुलिस थानों में भी गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 7 अगस्त को पुलिस को गोपनीय सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के ठिकाने की जानकारी मिली।

कांदोली मार्ग पर तीन फुट कीचड़ से आवाजाही बनी मुसीबत

कीचड़ में फंसे वाहन निकालने के लिए कर रहे मशक्कत

एटापल्ली: तहसील मुख्यालय से महज २० किलोमीटर दूर ग्राम कांदोली के पास ताड़गांव-भामरागढ़ मार्ग पर पुल के पास करीब तीन फीट तक कीचड़ जमा होने से सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है। दो-तीन वर्ष पहले लाखों रुपए खर्च कर तैयार किए गए इस मार्ग से अब आवागमन करना

मुश्किल हो गया है। सड़क की बदहाली को लेकर सार्वजनिक निर्माण विभाग के कामकाज पर सवाल उठ रहे हैं।

ज्ञात हो कि कुछ दिनों पहले हुई मूसलाधार बारिश के कारण कांदोली से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर स्थित नाले में बाढ़ आ गई थी। इस नाले पर पुल का निर्माण कुछ माह पहले ही पूरा हुआ है। पुल निर्माण के दौरान ठेकेदार द्वारा डाली गई मिट्टी को हटाया नहीं गया। बारिश का पानी जमा होने से करीब आधा किलोमीटर क्षेत्र में दलदल बन गई है। कई स्थानों पर जमीन से करीब तीन फीट तक कीचड़ जमा होने के कारण वाहन फंस रहे हैं। मार्ग की खराब स्थिति के चलते इस सड़क पर चलने वाली बस सेवा फिलहाल बंद हो गई है। इससे आसपास के गांवों से स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों को निजी वाहनों से भी आवागमन करने में काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। वहीं आपात स्थिति में मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाना भी ग्रामीणों के लिए चुनौती बन गया है। वाहन कीचड़ में फंसने के कारण समय पर उपचार मिलने में देरी होने की आशंका बनी हुई है। तीन फीट गहरे कीचड़ से चारपहिया वाहनों का गुजरना असंभव हो गया है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी मार्ग पार करना किसी चुनौती से कम नहीं है। कीचड़ में फंसी वाहन को निकालने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

निविदा से लेकर कायदिश तक की जांच हो

ब्रह्मपुरी नगर परिषद की निविदा प्रक्रिया पर पार्षद ने की सवालों की बौछार

ब्रह्मपुरी: ब्रह्मपुरी नगर परिषद की ओर से सड़क अनुदान निधि से विभिन्न विकास कार्यों के लिए की गई निविदा प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए गए हैं। निविदा का पर्याप्त प्रचार-प्रसार हुआ था या नहीं, पात्र ठेकेदारों को समान अवसर मिला या नहीं तथा पूरी प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन किया गया या नहीं, इसकी जिला स्तरीय जांच कराने की मांग नगरसेवक मनोज भूपाल ने की है। इस संबंध में उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा है।

ज्ञापन में कहा गया है कि नगर परिषद द्वारा सड़क अनुदान निधि से विभिन्न विकास कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है। जिसके चलते संबंधित निविदा का प्रचार-प्रसार अपेक्षित स्तर पर किया गया था या नहीं, इसे लेकर ज्ञापन में सवाल किए गए हैं। निविदा प्रक्रिया का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र ठेकेदारों तक जानकारी पहुंचाना और सभी को समान अवसर उपलब्ध कराना है। स्थानीय पात्र ठेकेदारों को निविदा की जानकारी समय पर मिली थी या नहीं, उन्हें प्रतिस्पर्धा में शामिल होने का समान अवसर मिला था या नहीं तथा निविदा के प्रकाशन के लिए लागू नियमों और शासन निर्णयों का पालन किया गया था या नहीं, इन सभी पहलुओं की जांच करने की मांग की गई है।

निविदा के विज्ञापन से लेकर अंतिम कार्यादिश तक की पूरी प्रक्रिया की मूल फाइल की जांच करने की मांग ज्ञापन में की गई है। इसमें निविदा प्राप्ति रजिस्टर, निविदा भरने वाले ठेकेदारों की पात्रता, प्राप्त निविदाओं की संख्या, तकनीकी एवं वित्तीय निविदाओं की जांच, तुलनात्मक पत्रक, मंजूरी प्रक्रिया तथा संबंधित कार्य की अनुमानित लागत, निविदा दर और अंतिम स्वीकृत दर की पड़ताल करने की मांग शामिल है। इसके अलावा निविदा प्रक्रिया में किसी विशेष ठेकेदार को अनुचित लाभ मिला है या नहीं, इसका भी जांच किए जाने की मांग नगरसेवक मनोज भूपाल एवं पवन जायसवाल ने जिलाधिकारी से की है।

आपदा प्रभावित किसानों को तत्काल मिलेगी मदद

सांसद अमर काले के पत्र पर प्रशासन सक्रिय

वर्धा : जिले में हाल ही में हुई अतिवृष्टि और बाढ़ से किसानों, नागरिकों, सड़कों, पुलों तथा सार्वजनिक संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है. नुकसान की गंभीरता को देखते हुए सांसद अमर काले ने वर्धा और अमरावती जिला प्रशासन को तत्काल पंचनामा कर नुकसान के मुआवजे के प्रस्ताव सरकार को भेजने के निर्देश दिए.

सांसद के पत्र पर दोनों जिलों के प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है. अतिवृष्टि से खेतों में खड़ी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है. कई स्थानों पर बाढ़ के कारण सड़कें और पुल बह जाने से गांवों का संपर्क टूट गया है. इसका असर स्कूली विद्यार्थियों की आवाजाही पर भी पड़ा है.

सांसद अमर काले के पत्र के बाद जिलाधिकारी वानमथी सी. ने ७ अगस्त को संबंधित राजस्व विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग और जिला परिषद निर्माण विभाग को नुकसान का तत्काल जायजा लेने के निर्देश दिए हैं. कृषि फसलों, सड़कों और पुलों के नुकसान के पंचनामे कर मुआवजे के प्रस्ताव शीघ्र सरकार को भेजने को कहा गया है. जिन मार्गों पर पुल या सड़क क्षतिग्रस्त होने से यातायात बंद है, वहां तत्काल मरम्मत कर आवागमन बहाल करने के निर्देश दिए गए हैं.

जंगली हाथियों ने किसानों की मेहनत पर पानी फेरा

मंदिर को भी पहुंचाया नुकसान, कृषि सामग्री को क्षति

देसाईगंज : देसाईगंज तहसील के ग्राम चिखली, तुकूम चिखली रीट, हलबी डोंगरगांव इलाके में जंगली हाथियों का झुंड ने उत्पात मचा रखा है और किसानों और ग्रामीणों में डर का वातावरण पैदा हो गया है. तस्कर हाथी और उसके साथ लगभग ३५ हाथियों का झुंड अभी भी इसी इलाके में घूम रहा है, जिससे किसानों की खेती और धान फसलों का नुकसान हो रहा है.

हाथियों के झुंड ने किसानों ने हाल ही में खेतों में की गई धान की बुआई को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाया है और खेतों में रखी झटका मशीन, खेतों के झोपड़ियां और अन्य खेती के सामान को भी नुकसान पहुंचा है. कई किसानों ने बड़ी मेहनत से उगाई धान फसल अपनी आंखों के सामने तबाह होता देख शॉक में हैं.

खास बात यह है कि हाथियों के उत्पात का असर अब गांव के

जंगली हाथियों के झुंड का तुरंत बंदोबस्त करें

पिछले कुछ दिनों से तहसील में तस्कर हाथी और जंगली हाथियों के झुंड की घूम-फिर रही है, उनके उत्पात से फसलों को नुकसान हो रहा है. अगर झुंड को तुरंत काबू में नहीं किया गया और नुकसानग्रस्त किसानों को अतिरिक्त मुआवजा नहीं दिया गया, तो राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की तरफ से वडसा के उपवनसंरक्षक का घेरकर कड़ा आंदोलन किया जाएगा, ऐसी चेतावनी राकांपा के कार्यकारी जिला अध्यक्ष नंदु नरोटे और पिंकू बावने ने दी है.

धार्मिक स्थलों पर भी पड़ा है और शिवमंदिर के नंदी की मूर्ति को तोड़ने की घटना सामने आई है. इस वजह से क्षेत्र के ग्रामीणों में गहरा आक्रोश बन गया है. लेकिन हाथियों को स्थायी रूप से बंदोबस्त करने में वन विभाग पूरी तरह से विफल रहा है.

पुलिस बल ने दिया सदैव साथ होने का संदेश

आदिवासी दिवस पर ग्रामीणों को सामग्री व ९० स्कूलों के छात्रों को साइकिलें दीं

गढ़चिरोली : आदिवासी समाज की भाषा, कला और साहित्य से समृद्ध संस्कृति की रक्षा के लिए ९ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है. इसी पृष्ठभूमि में रविवार को पुलिस अधीक्षक एम. रमेश के मार्गदर्शन में अतिदुर्गम क्षेत्रों के स्कूलों के छात्रों और महिलाओं तथा युवाओं को साइकिल, शैक्षणिक सामग्री और स्वरोजगार सामग्री बांटकर पुलिस बल के सदैव उनके साथ खड़े होने संदेश दिया गया.

यह समारोह गढ़चिरोली में जिला पुलिस मुख्यालय के एकलव्य सभागृह में आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक एम. रमेश, अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) कार्तिक मधिरा, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) गोकुल राज जी, सहायक पुलिस अधीक्षक अनिकेत हिरडे उपस्थित थे.

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक एम. रमेश ने उपस्थित छात्रों और नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि, 'पुलिस और नागरिकों के समन्वय से गढ़चिरोली जिला, नक्सलवाद मुक्त हो गया है. छात्रों को

आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी

इस कार्यक्रम में ३०० से अधिक छात्र, युवा और नागरिक उपस्थित थे. पुलिस अधीक्षक के हाथों सुदूर क्षेत्र के ९० स्कूलों के छात्रों को साइकिलें तथा अन्य छात्रों को स्कूल बैग, पेन, कंपास आदि बांटे गए. 'पुलिस दादालोरा खिड़की' के माध्यम से युवाओं को ३० दिन की टू-व्हीलर रिपेयरिंग और १२ दिन की फास्टफूड ट्रेनिंग दी गई. इसके साथ ही ३ बचत समूहों को वाद्य सामग्री सेट भी वितरित किया गया. साथ ही उम्मीद जताई गई कि इससे दूरदराज के क्षेत्रों के युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी.

अपनी पढ़ाई पर ज्यादा से ज्यादा ध्यान देकर कड़ी मेहनत करनी चाहिए और प्रशिक्षण पूरा करने वाले युवक-युवतियों को इन सामग्रियों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर अपनी आर्थिक उन्नति करनी चाहिए. इसके साथ ही पुलिस दल हमेशा नागरिकों की सभी समस्याओं को हल करने और उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है.'

चंद्रपुर जिले में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया

चंद्रपुर: विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर, चंद्रपुर स्थित गोंडवाना आंदोलन जनजातीय आंदोलन ने ९ अगस्त को जिलेभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोंडवाना आंदोलन जनजातीय आंदोलन शाखा के प्रमुख जगन्नाथ येलके ने की।

इस दौरान सुबह से ही शहर के विभिन्न चौराहों पर महान हस्तियों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण, ध्वजारोहण, आदिवासी पारंपरिक नृत्य और जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। सुबह ११ बजे श्री कृष्णा कॉलेज से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर चौक तक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की पूर्ण प्रतिमा पर

माल्यार्पण और संविधान पुस्तिका का वितरण किया गया। दोपहर १:३० बजे क्रांतिकारी बाबूराव शेडमाके की पूर्णकाय प्रतिमा पर माल्यार्पण और ध्वजारोहण किया गया।

मुख्य कार्यक्रम दोपहर २ बजे पोंभूर्णा के सुमन मंगल सभागृह में आयोजित किया गया, जिसमें आदिवासी समुदाय के विभिन्न मुद्दों पर मार्गदर्शन किया गया। वन अधिकारों के दावों, आदिवासी अधिकारों और हकों तथा सामाजिक मुद्दों पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में विधायक सुधीर मुनगंटीवार, ओबीसी नेता डॉ. अशोक जीवतोड़े, उप-मंडल अधिकारी जाधव, परियोजना अधिकारी विकास राचेलवार, विभागीय वन अधिकारी राजन तलमले, तहसीलदार एम. शेलवटकर, समूह विकास अधिकारी एन. बंगे, साथ ही राजस्व, वन, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

30 करोड़ खर्च, दो साल भी नहीं टिक पाई छत

घटिया निर्माण से सेलू की बस स्टॉप के छत का हिस्सा गिरा, विद्यार्थियों नागरिकों की सुरक्षा दांव पर

वर्धा: विकास के नाम पर जनता के खून-पसीने की कमाई से कैसे खिलवाड़ किया जाता है, इसकी एक और मिसाल सेलू में सामने आई है। यात्रियों की सुविधा के लिए ३० करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार किए गए आधुनिक बस स्टैंड की पोल महज डेढ़-दो साल में ही खुल गई। गुरुवार रात बस स्टैंड की छत का एक बड़ा हिस्सा अचानक भरभराकर नीचे आ गिरा, जिससे इस भव्य इमारत के पीछे छिपे घटिया निर्माण का मामला उजागर हो गया है। गनीमत रही कि उस समय वहां कोई यात्री मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश है।

स्थानीय नागरिकों और मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस बस स्टैंड की बदहाली का सिलसिला उद्घाटन के कुछ समय बाद ही शुरू हो गया था। उद्घाटन के कुछ महीनों

बाद तेज हवाओं में मुख्य साइनबोर्ड उड़ गया था। बारिश के दौरान छत से पानी टपकने की शिकायतें भी सामने आई थीं। यात्रियों को छत के नीचे खड़े होने के बावजूद बारिश से बचने के लिए छाता खोलना पड़ता था।

राकांपा शरद पवार गुट के अमर काले ने महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के नागपुर स्थित अधीक्षक अभियंता को इस संबंध में पत्र दिया है। पत्र के माध्यम से सेलू बस स्टैंड के निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है। सांसद अमर काले ने पत्र में कहा है कि वर्धा जिले के सेलू में करोड़ों रुपये खर्च कर बस स्टैंड का निर्माण किया गया। लेकिन निर्माण कार्य पूरा हुए अभी दो वर्ष भी नहीं हुए हैं और संबंधित ठेकेदार द्वारा किए गए घटिया निर्माण की पोल खुल गई है। बस स्टैंड पर यात्री मौजूद होने के दौरान ही उसकी छत का हिस्सा गिर गया। सौभाग्य से यात्रियों की किस्मत अच्छी होने के कारण इस दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई। हालांकि, बस स्टैंड की शेष छत भी गिरने की स्थिति में पहुंच गई है, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़ा हो गया है। ३० करोड़ के इस 'खोखले विकास' की पोल खुलने के बाद अब पूरे सेलू तहसील की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि प्रशासन इन भ्रष्टाचारियों पर कब और क्या कार्रवाई करता है।

हवाईअड्डे के लिए एमएडीसी ने दोबारा जारी की निविदा

भूमि अधिग्रहण व वन स्वीकृतियों की प्रक्रिया तेज

संवाददाता । गड़चिरोली

किसानों के आंदोलन के कारण लगभग 2 महीने पहले अस्थायी रूप से रोक दी गई प्रस्तावित गड़चिरोली ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजना को राज्य सरकार ने फिर से गति देने की तैयारी शुरू कर दी है. महाराष्ट्र एयरपोर्ट डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (एमएडीसी) ने 6 अगस्त को दूसरी बार निविदा जारी कर भूमि अधिग्रहण, वन क्षेत्र के हस्तांतरण तथा विभिन्न वैधानिक और पर्यावरणीय मंजूरियों की प्रक्रिया के लिए सलाहकार नियुक्त करने की पहल की है. हालांकि, किसान अब भी अपने विरोध पर अडिग हैं और

परियोजना को आगे बढ़ाने की सरकारी कोशिशों के बीच प्रशासन को बार सामना पड़ सकता है.

प्रस्तावित हवाई अड्डे के लिए गड़चिरोली तहसील के विहिरगांव, हिरापुर, राखी, गुरवला गांव की सैकड़ों हेक्टेयर उपजाऊ कृषि भूमि के अधिग्रहण को पहले ही प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी मिल चुकी थी. लेकिन किसानों के तीव्र विरोध के बाद परियोजना को अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई थी. अब सरकार ने परियोजना को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से प्रक्रिया पुनः शुरू कर दी है. खनिज संपदा, विशाल वन क्षेत्र तथा औद्योगिक संभावनाओं से समृद्ध गड़चिरोली जिले को लंबे समय से बेहतर हवाई संपर्क की प्रतीक्षा है. प्रस्तावित ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट से पर्यटन को बढ़ावा मिलने, निवेश आकर्षित होने और आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के लिए तेज परिवहन सुविधा उपलब्ध होने की उम्मीद जताई जा रही है. हवाई अड्डे के लिए किसान अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं. किसानों का कहना है कि वे सिंचित और उपजाऊ कृषि भूमि परियोजना के लिए देने का कड़ा विरोध करते हैं. पिछले सप्ताह किसानों का एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली पहुंचा था और उसने वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर अपनी आपत्ति तीखे शब्दों में दर्ज कराई थी. ऐसे में परियोजना की प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ आनेवाले समय में बड़े आंदोलन की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता.

सलाहकार पर रहेगी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

एमएडीसी द्वारा नियुक्त किया जाने वाला सलाहकार प्रशासन, महाराष्ट्र वन विभाग, आदिवासी विकास विभाग तथा केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के बीच समन्वयक की भूमिका निभाएगा. परियोजना से संबंधित सभी आवश्यक अनुमति और प्रशासनिक प्रक्रियाएं समय पर पूरी कराने की जिम्मेदारी उसी पर होगी. निविदा के अनुसार कार्यों में परियोजना क्षेत्र का सर्वेक्षण और मानचित्रण, डीजीपीएस सर्वे, वृक्षों की गणना, पर्यावरण कानूनों का पालन, वन भूमि हस्तांतरण, पर्यावरणीय और वन्यजीव संबंधी मंजूरियां तथा विभिन्न सरकारी एजेंसियों से समन्वय शामिल है. अनुसूचित क्षेत्र से संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन करना भी अनिवार्य रहेगा.

इंदिरा गांधी चौक में चक्काजाम कर जताया रोष

वेतन वृद्धि की मांग, आशा वर्करों में आक्रोश

संवाददाता । गडचिरोली

लंबित वेतन वृद्धि, मानदेय में असमानता तथा विभिन्न मांगों को लेकर आशा वर्करों ने सोमवार को गडचिरोली शहर के इंदिरा गांधी चौक में चक्काजाम आंदोलन किया. आंदोलन के कारण कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा. जिले के विभिन्न तहसीलों से सैकड़ों आशा वर्कर सुबह से ही इंदिरा गांधी चौक पर एकत्रित हुईं. हाथों में बैनर और तख्तियां लेकर आंदोलनकारियों ने आशा वर्करों को स्थायी मान्यता, मानदेय में वृद्धि करो जैसे नारों से पूरा चौक गूंज उठा. आंदोलनकारी महिलाओं का कहना है कि, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में आशा वर्करों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, परिवार नियोजन, संक्रामक रोगों के प्रति जागरूकता और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में वह दिन-रात कार्य करती हैं. इसके बावजूद उन्हें मिलने वाला मानदेय बेहद कम है और प्रोत्साहन राशि भी समय पर नहीं मिलती.

सड़क पर प्रदर्शन आंदोलन के दौरान आशा वर्करों ने कुछ समय तक सड़क पर बैठकर प्रदर्शन किया, जिससे शहर के मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही धीमी पड़ गई. पुलिस ने मौके पर बंदोबस्त बढ़ाते हुए यातायात को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया. प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों से चर्चा कर उनका ज्ञापन स्वीकार किया. इस आंदोलन का नेतृत्व रमेशचंद्र दहिवले, डा. महेश कोपुलवार, अमोल मारकवार, विनोद झोडगे, देवराव चवले, सचिन मोतकूलवार, विनोद मडावी, राज बन्सोड, नासिर हाश्मी, विवेक खोब्रागडे, डा. धर्मराज सोरदे, गोकुल ढवले, रोशन मेश्राम आदि ने किया.

आदिवासी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम

भगवान बिरसा मुंडा एवं वीर बाबूराव शेडमाके को श्रद्धांजलि

संवाददाता । चंद्रपुर

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, चंद्रपुर महानगर की ओर से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी, जननायक एवं आदिवासी अस्मिता के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. साथ ही जिला कारागार, चंद्रपुर में आदिवासी समाज के क्रांतिवीर स्वतंत्रता सेनानी वीर बाबूराव शेडमाके के स्मारक पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें नमन किया गया.

भगवान बिरसा मुंडा ने 'अबुआ दिशुम, अबुआ राज', अर्थात 'अपना देश, अपना राज्य' के स्वाभिमान्पूर्ण विचार के माध्यम से आदिवासी समाज को अन्याय, शोषण एवं विदेशी सत्ता के खिलाफ संघर्ष करने की प्रेरणा दी. जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के लिए उनका संघर्ष आज भी समाज के लिए प्रेरणादायी है. इसी प्रकार वीर बाबूराव शेडमाके ने भी अंग्रेजी सत्ता के खिलाफ वीरतापूर्वक लड़ते हुए मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया. उनके त्याग एवं शौर्य को भी इस अवसर पर नमन किया गया.

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर भाजपा महानगर कार्यालय, गांधी चौक में भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया. इसके बाद जिला कारागार में वीर बाबूराव शेडमाके के स्मारक पर पुष्पहार अर्पित किया गया. वहीं विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर निकाली गई रैली का हसन इलेक्ट्रकल्स के पास, मेन रोड, चंद्रपुर में शीतल पेय वितरित कर उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया. इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष सुभाष कासनगोटूवार, महामंत्री रविंद्र गुरनुले, सविता दंढारे, प्रदेश कार्यकारिणी परिषद सदस्य तुषार सोम, उपाध्यक्ष बलराम डोडानी, वरिष्ठ नेता अरुण तिखे, गुटनेता चंद्रशेखर शेट्टी, नगरसेवक एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष जितेश कुळमेथे, नितेश गवळी, भालचंद्र दानव, नगरसेविका आशा देशमुख, सरला कुळसंगे, अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष विमल काटकर, किसान मोर्चा अध्यक्ष संजय बुरघाटे, राजेंद्र धुर्वे, कार्तिक कोडापे, कौस्तुभमायकुलकर, सूरज गावंडे, पियुष अंडरस्कर, विठ्ठल कुंबरे, सिंधू मेश्राम, सुशीला आत्राम, सारिका मडावी, माला येडे, वंदना गेडाम, बंडू पेंदाम, नीलकंठ येरमे सहित आदिवासी समाज के बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे.

हाईवे के रुके कार्य के विरोध में धरना

देवली : 226 करोड़ रुपए की लागत से निर्माणाधीन दहेगांव-देवली-वायगांव-कात्री राज्य महामार्ग का काम पिछले एक वर्ष से ठप पड़ा है. दहेगांव से कात्री तक सड़क को दोनों ओर से खोदकर छोड़ दिए जाने से नागरिकों, विद्यार्थियों, किसानों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. वर्तमान में बारिश के कारण सड़क पर कीचड़ फैल गया है. इससे दोपहिया वाहन फिसलने से कई दुर्घटनाएं होने का दावा नागरिकों ने किया है. सड़क की बदहाली के कारण स्कूल बसों की आवाजाही भी प्रभावित हुई है, जिससे विद्यार्थियों की सुरक्षा और शिक्षा का प्रश्न निर्माण हो गया है. समस्या की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के लिए युवा संघर्ष मोर्चा की ओर से नगराध्यक्ष किरण ठाकरे के नेतृत्व में सैकड़ों नागरिकों ने सरूळ स्थित नदी के समीप धरना दिया. आंदोलनकारियों ने लोकप्रतिनिधियों और सार्वजनिक निर्माण विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए सड़क का काम तत्काल शुरू करने की मांग की. नगराध्यक्ष ठाकरे ने चेतावनी दी कि काम तुरंत शुरू नहीं किया गया तो युवा संघर्ष मोर्चा की ओर से चक्काजाम आंदोलन किया जाएगा.

मवेशियों को खुले में छोड़ने पर कार्रवाई

वर्धा पुलिस की पशुपालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू

संवाददाता । वर्धा

शहर के सार्वजनिक मार्गों, चौराहों एवं यातायात वाले स्थानों पर मवेशियों को खुले में छोड़ने के कारण यातायात बाधित होने के साथ ही वाहन चालकों, पैदल यात्रियों और अन्य नागरिकों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो रहा है. इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वर्धा शहर पुलिस ने मवेशियों को खुले में छोड़ने वाले पशुपालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है.

वर्धा शहर पुलिस थाना क्षेत्र में कुछ मवेशी बिना किसी देखरेख एवं नियंत्रण के सार्वजनिक सड़कों पर खुले में घूमते और बैठे पाए गए. इससे यातायात प्रभावित हो रहा था. अचानक सड़क पर आने वाले मवेशियों के कारण वाहन चालकों के साथ दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई थी. जांच के दौरान संबंधित मवेशियों को उनके मालिकों अथवा जिम्मेदार व्यक्तियों द्वारा उचित देखरेख और नियंत्रण के बिना सार्वजनिक मार्गों पर खुले में छोड़ने की बात सामने आई. साथ ही, कुछ पशुओं को आवश्यक भोजन, पानी एवं आश्रय उपलब्ध नहीं कराने तथा उन्हें भूख-प्यास और अनावश्यक परेशानी की स्थिति में रखने की भी जानकारी सामने आई. इस मामले में वर्धा शहर पुलिस थाना एवं रामनगर पुलिस थाना में संबंधित पशुपालकों के खिलाफ विविध धाराओ के तहत मामले दर्ज किए गए हैं.

अहेरी उपविभाग में सड़कों की दयनीय अवस्था

नागरिकों तक पहुंचाने में इन कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है. बढ़ती महंगाई के पोषण आहार बढ़ाकर कम से

संवाददाता । गड़चिरोली

अहेरी उपविभाग के सड़कें इन दिनों बदहाल दिखायी दे रही है. अहेरी उपविभाग के अहेरी-एटापल्ली, अहेरी-भामरागढ़ व अहेरी-सिरोंचा मार्ग पूरी तरह खस्ताहाल हो गया है. जिससे वाहनधारकों को वाहन चलाते समय भारी परेशानियो का सामना करना पड़ रहा है. लेकिन इस ओर लोकनिर्माण विभाग की ओर से पूरी तरह से बेध्यानी हो रही है. जिससे परिसर के नागरिकों मे संबंधित विभाग के प्रति काफी असंतोष निर्माण हुआ है. वहीं वाहनधारक समेत यात्रियों को मजबूरी में जानलेवा सफर करना पड़ रहा है. जिससे संबंधित विभाग इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर तत्काल उपविभाग की सड़कों की मरम्मत करें, ऐसी मांग अहेरी उपविभाग के नागरिकों ने की है. अहेरी उपविभाग में 5 तहसीलों का समावेश है. जिनमें अहेरी, सिरोंचा, भामरागड़, मुलचेरा और एटापल्ली इन तहसीलों का समावेश है. नक्सलग्रस्त अहेरी उपविभाग वर्तमान स्थिति में कई समस्याओं से जुझ रहा है. इसमें सबसे बडी समस्या अहेरी उपविभाग की सड़कें बनी हुई है. अहेरी मुख्यालय से एटापल्ली की ओर जानेवाले मार्ग पर तो जहां-तहां बड़े-बड़े गड्ढे निर्माण हो गए हैं. इसके साथ ही सड़क पर पत्थर उखड़े हुए है. यही स्थिति अहेरी उपविभाग के अहेरी-भामरागढ़ व अहेरी सिरोंचा इन मार्गों की है. सिरोंचा व भामरागढ़ यह तहसीलें महाराष्ट्र के अंतिम छोर पर बसी हुई है. इन परिसर के नागरिकों को सरकारी अथवा निजी कार्य के लिए प्रति दिन अहेरी में आवागमन करना पड़ता है. लेकिन इस परिसर के मार्ग बदहाल होने से इस परिसर के नागरिकों का समय व्यर्थ जाने से वह समय पर नही पहुंच पाते है.

बदहाल खस्ता सड़कों की कौन लेगा सुध

विश्व आदिवासी दिवस पर पुलिस विभाग का उपक्रम

संवाददाता । गड़चिरोली

आदिवासी समाज की संस्कृति, भाषा, कला और साहित्य का जतन व संवर्धन हो, इसलिये संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 1994 से 9 अगस्त यह दिवस विश्व आदिवासी दिवस के रूप में घोषित किया है. इसके मद्देनजर विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में गड़चिरोली जिला पुलिस दल द्वारा जिले के अतिदुर्गम क्षेत्र के स्कूली छात्र और युवक-युवतियों के लिये साइकिल, शैक्षणिक सामग्री और स्वयंरोजगार सामग्री का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. जिला पुलिस अधीक्षक एम. रमेश के मार्गदर्शन में पुलिस मुख्यालय के एकलव्य हॉल में उक्त कार्यक्रम आयोजित किया गया था. जिले के युवक-युवतियों को शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार का अवसर उपलब्ध करा देकर उन्हें विकास की मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य से पुलिस दादालोरा खिड़की के मायम से 'प्रोजेक्ट उडान' अंतर्गत यह कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में 300 से अधिक स्कूली छात्र युवक-युवतियां और नागरिक उपस्थित हुए थे. इस समय जिला पुलिस अधीक्षक एम. रमेश के हाथों अतिदुर्गम क्षेत्र के 90 स्कूली छात्रों को साइकिल का वितरण किया गया. वहीं अन्य छात्रों को स्कूल बैग, पेन, कंपास आदि शैक्षणिक सामग्री की बांटी गयी.

पुलिस दादालोरा खिडकी के माध्यम से गडचिरोली जिला पुलिस दल और बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी गड़चिरोली के संयुक्त तत्वावधान में इच्छुक युवक-युवतियों को 30 दिनों का टू-व्हीलर रिपेअरिंग और 12 दिनों का फास्टफूड व्यवसाय का प्रशिक्षण दिया जाता है. इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रशिक्षण पूर्ण करनेवाले 60 प्रशिक्षार्थियों को टू-व्हीलर रिपेअरिंग व फास्टफूड व्यवसाय शुरू करने के लिये आवश्यक किट का वितरण किया गया. इसके अलावा 3 बचत समूहों को वाद्य साहित्य संच का वितरण किया गया.

'पुलिस दादालोरा खिड़की' के माध्यम से विभिन्न उपक्रम गड़चिरोली जिले के सुशिक्षित बेरोजगार युवक-युवतियों को उच्च दर्जे का व्यावसायिक व कौशल प्रशिक्षण दिलाने के लिये 'पुलिस दादालोरा खिड़की' अंतर्गत 'प्रोजेक्ट उडान' इस उपक्रम के माध्यम से गड़चिरोली जिला पुलिल दल शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल विकास, क्रीडा और संस्कृति ऐसे विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत है. 'पुलिस दादालोरा खिड़की' के माध्यम से अब तक 16,708 युवक-युवतियों को रोजगार व स्वयंरोजगार का प्रशिक्षण, 737 किसानों को कृषि सहल का लाभऔर 1,542 नागरिकों की आंखों की शल्यक्रिया की गई. दुर्गम के छात्रों के शैक्षणिक विकास के लिये 75 सार्वजनिक वाचनालय शुरू किये गये है. वहीं 4,796 छात्रों को स्किलिंग इन्स्टट्यूट के माध्यम से सॉफ्टवेयर डेवलपर, वेब डेवलपर, सुरक्षा रक्षक, पुलिस भर्ती पूर्व प्रशिक्षण आदि विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया. 'पुलिस दादालोरा खिडकी' के माध्यम से अब तक कुल 14,09,532 नागरिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभदिलाया गया है. कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (अभियान) कार्तिक मधिरा, अपर पुलिस अधीक्षक (प्रशासन) गोकुल राज जी., सहायक पुलिस अधीक्षक अनिकेत हिरडे आदि उपस्थित थे.

पूर्व जिप अध्यक्ष कंकडालवार ने किया निरीक्षण, दिए दिशानिर्देश

तालाब की मिट्टी से सड़क कीचड़मय

संवाददाता / पेरमिली

अहेरी तहसील के ग्राम पंचायत इंदाराम में जिला परिषद के सिंचाई विभाग के अंतर्गत तालाब के गहरीकरण का कार्य किया गया था. तालाब की खुदाई के दौरान निकली मिट्टी तालाब के बांध पर डाल दी गई थी. पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश होने के कारण बांध पर डाली गई मिट्टी कीचड़ में तब्दील हो गई, जिससे कोकपार जानेवाला मुख्य मार्ग पूरी तरह कीचड़मय हो गया है.

सड़क पर कीचड़ जमा होने के कारण स्कूली विद्यार्थियों, किसानों तथा रोजंदारी के लिए आने-जाने वाले नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. कीचड़ के कारण दोपहिया तथा चौपहिया वाहन भी बार-बार सड़क पर फंस रहे थे. इस समस्या की जानकारी स्थानीय ग्रामीणों ने कांग्रेस के प्रदेश महासचिव तथा पूर्व जिप अध्यक्ष डा. अजय कंकडालवार को दी गई. जिससे जानकारी मिलते ही उन्होंने बिना किसी विलंब के मौके पर पहुंचकर सड़क का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान डा. कंकडालवार ने जिला परिषद के सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ संबंधित ग्रामसेवक, सरपंच और ग्राम पंचायत सदस्यों को मौके पर बुलाकर कीचड़मय सड़क को तत्काल सुचारु करने के निर्देश दिए.

कर्मचारी संगठनों का जेल भरो आंदोलन

संवाददाता / वर्धा

आंगनवाड़ी कर्मचारी, शालेय पोषण आहार कर्मचारी, अंशकालीन स्त्री परिचर, आशा एवं गटप्रवर्तकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर सोमवार को जेल भरो आंदोलन किया गया. लगभग 987 महिलाओं को हिरासत में लेकर छोड़ दिया गया. मोर्चा ने आयटक के राज्य सचिव दिली उटाने के अगुवाई में जिलाधिकारी कार्यालय पर दस्तक देते हुए मांगों का ज्ञापन सौंपा गया.

वर्षों से बेहद कम मानधन पर सरकारी योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने वाले इन कर्मचारियों ने न्यूनतम वेतन, सेवासुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, पेंशन, ग्रेच्युटी, भविष्य निर्वाह निधि तथा सरकारी सेवा में समावेश सहित विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया. महिला एवं बाल विकास, सार्वजनिक स्वास्थ्य तथा स्कूली शिक्षा विभाग की योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने में इन कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका है. बढ़ती महंगाई के बावजूद उन्हें मिलने वाला मानधन बेहद कम है और कई वर्षों से उनकी मांगें लंबित हैं. आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिकाओं को ग्रेच्युटी, सम्मानजनक मासिक पेंशन तथा न्यूनतम वेतन के आधार पर मानधन देने की मांग की गई है. इसके अलावा पीएफ, बीमा, सामाजिक सुरक्षा, बीमारी एवं प्रसूति अवकाश तथा अतिरिक्त सरकारी कार्य के लिए अलग मानधन देने की मांग है.

शालेय पोषण आहार कर्मचारियों का मानधन बढ़ाकर कम से कम 10 हजार रुपए प्रतिमाह करने तथा उन्हें चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देने की मांग की गई है. साथ ही पीएफ, ग्रेच्युटी, पेंशन, बीमा एवं अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं देने की मांग है. अंशकालीन स्त्री परिचरों के लिए 26 हजार रुपए न्यूनतम मासिक वेतन तथा उन्हें सरकारी अथवा जिला परिषद सेवा में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में शामिल करने की मांग की गई है. आशा एवं गटप्रवर्तकों को न्यूनतम वेतन, निश्चित मासिक वेतन, पीएफ, ग्रेच्युटी, पेंशन, बीमा एवं सामाजिक सुरक्षा देने तथा लंबे समय से सेवा दे रहे गटप्रवर्तकों को सरकारी सेवा में शामिल करने की मांग भी की गई है. आंदोलनकारियों का सवाल है कि जब इन कर्मचारियों से नियमित स्वरूप का काम लिया जाता है.

आदिवासी दिवस पर एकजुटता का संदेश

सरकार से समाज की समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देने की मांग

संवाददाता / गड़चिरोली

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित किये गये विश्व मूलनिवासी (आदिवासी) दिन गड़चिरोली शहर में आदिवासी अस्मिता, अधिकार और सामाजिक एकता का बुलंद आवाज देते हुए उत्साह में मनाया गया. विशेषतः जल, जंगल, जमीन पर हमारा अधिकार इस नारे के साथ ही आदिवासी समाज का आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और संविधानिक अधिकार पर सरकार ठोस भुमिका अपनाए, ऐसी मांग की गई. वहीं विश्व आदिवासी दिवस पर एकजुटता का संदेश दिया गया.

ऑल इंडिया आदिवासी एम्प्लाईज फेडरेशन गड़चिरोली, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद और विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आरमोरी मार्ग के सांस्कृतिक भवन में आयोजित कार्यक्रम में समाज बांधवों का भारी प्रतिसाद मिला. कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समाज की समस्याएं रखने के साथ ही एकजुटता का शक्तिप्रदर्शन भी किया गया.

कार्यक्रम का उदघाटन गडचिरोली विस क्षेत्र के विधायक डा. मिलिंद नरोटे के हाथों किया गया. अध्यक्षता सहायक समाजकल्याण आयुक्त डा. सचिन मडावी ने की. स्वागताध्यक्ष के रूप में माधवराव गावलकर, प्रमुख अतिथी के रूप में अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद केंद्र उपाध्यक्ष घनश्याम मडावी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष एड. विश्वजीत कोवासे, पूर्व विधायक डा. नामदेव उसेंडी, सहायक जिलाधिश डा. अजय डोके, शिवसेना (उबाठा) जिलाध्यक्ष फ्वन गेडाम, जलापुर्ती सभापति लिलाधर भरडकर, डा. माधुरी किलनाके, गुलाबराव मडावी आदि मान्यवर उपस्थित थे. अपने मार्गदर्शन में विधायक डा. नरोटे और पूर्व विधायक डा. उसेंडी ने आदिवासी समाज की समस्या की ओर सरकार को गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता होने की बात कही. आदिवासी समाज पर होनेवाला अन्याय दूर कर संविधान द्वारा दिये गये अधिकार मिलना चाहिये. शिक्षा, नौकरी और विभिन्न क्षेत्र में आदिवासी युवक-युवतियां समान अवसर मिलने की आवश्यकता होने की बात मान्यवरों ने कही.

श्मशान घाट परिसर में गला नोंचा हुआ शव मिला

पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

संवाददाता / गोदिया

तिरोड़ा तहसील के बेरडीपार के श्मशान घाट परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब वहां एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया गया। शव की शिनाख्त काचेवानी फकीरटोला निवासी मोहम्मत इकबाल शाह (18) के नाम से की गई है। शव को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि मृतक पर किसी हिंसक वन्यजीव ने हमला किया हो और इस घटना में उसकी मृत्यु हो गई हो। घटना रविवार 9 अगस्त को सामने आयी है।

हालांकि पुलिस ने मौत का कारण तो बताया नहीं, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु का कारण स्पष्ट हो सकेगा। बता दें कि तिरोड़ा तहसील के गंगाझरी पुलिस थानांतर्गत बेरडीपार ग्राम आता है। इस ग्राम के मोक्षधाम परिसर में एक अज्ञात युवक का शव दिखाई देने की जानकारी गंगाझरी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही घटनास्थल पर पुलिस की टीम पहुंच गई। जिसके बाद युवक की शिनाख्त काचेवानी के फकीरटोला निवासी मोहम्मद इकबाल शाह के नाम से की गई। पंचनामे के दौरान मृतक के गर्दन पर घाव दिखाई दिया, वहीं शरीर के अन्य हिस्सों पर नाखून खरोचने जैसे निशान दिखाई दिए। जिसे देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि किसी हिंसक जानवर ने युवक पर हमला कर उसे मार दिया है।

घटना शनिवार व रविवार की मध्यरात्रि के दौरान की हो सकती है, लेकिन घटना रविवार को सुबह 9 बजे के दौरान सामने आयी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गोंदिया मेडिकल कॉलेज भेज दिया है। मौत का असली कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल गंगाझरी पुलिस थाने में मर्ग दर्ज किया गया है। घटना की जांच पीएसआई अजित धारव द्वारा शुरू की गई है।

नाली का कचरा बना परेशानी का कारण, स्वास्थ्य खतरे में

संवाददाता / आमगांव

नगर परिषद की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है. बारिश के मौसम में नारायण नगर क्षेत्र की नालियों की सफाई के बाद निकाला गया कचरा और कीचड़ आमगांव-गोंदिया राष्ट्रीय महामार्ग पर ही छोड़ दिए जाने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

पहली ही बारिश में नारायण नगर समेत कई कॉलोनियों में जलभराव की स्थिति बन गई थी. इसके बाद नगर परिषद ने पानी की निकासी के लिए आमगांव-गोंदिया मार्ग से सटी नाली के कुछ हिस्सों को तोड़कर उसकी सफाई कराई. लेकिन सफाई के दौरान निकाला गया कीचड़ और कचरा सड़क किनारे एवं महामार्ग पर ही छोड़ दिया गया, जिसे अब तक नहीं हटाया गया है.

नारायण नगर से सिद्धार्थ नगर के बीच फैले कीचड़ के कारण सड़क फिसलन भरी हो गई है, जिससे दोपहिया और अन्य वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बढ़ गया है. वहीं नाली के कचरे से उठ रही दुर्गंध के कारण स्थानीय नागरिकों और राहगीरों को भी भारी असुविधा हो रही है. स्थानीय नागरिकों ने नगर परिषद प्रशासन से तत्काल महामार्ग से नाली का कचरा हटाकर सड़क की सफाई कराने की मांग की है. उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है.

विश्व आदिवासी दिवस पर लोहिया किराना, नवेझरी में रैली का स्वागत

संवाददाता / तिरोडा

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर नवेझरी स्थित लोहिया किराना प्रतिष्ठान में आदिवासी समाज की भव्य रैली का स्वागत करते हुए रैली में शामिल समाजबंधुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। कुलपा गांव से निकली यह रैली नवेझरी पहुंची, जहां क्षेत्र के सैकड़ों आदिवासी समाजबंधुओं ने अल्पाहार ग्रहण किया।

विश्व आदिवासी दिवस के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं, अधिकारों और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाता है। इसी भावना के साथ आयोजित रैली में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज कराई। रैली के नवेझरी पहुंचने पर लोहिया किराना की ओर से किए गए अल्पाहार वितरण से रैली में शामिल लोगों में प्रसन्नता का वातावरण रहा। इस अवसर पर लोहिया गैस एजेंसी के संचालक अजुल लोहिया, प्रहार जनशक्ति पक्ष के जिला अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र भाडारकर, प्रहार सोशल मीडिया प्रमुख एवं सामाजिक

अल्पाहार वितरण

कार्यकर्ता मिथुन वासनिक, सोनेखारी के पुलिस पाटील अनमोल इलपाचे, विवेक उईके, नरेश तुमसरे, चंद्रशेखर उके, नरेश मेश्राम, शुभम नंदुरकर तथा नितेश हरडे सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आपसी सद्भाव, सहयोग और सामाजिक एकता को मजबूत करना ही ऐसे आयोजनों का उद्देश्य है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान को सम्मान देने के लिए रैली का आयोजन किया गया था। रैली के दौरान उपस्थित समाजबंधुओं ने आदिवासी समाज के गौरवशाली इतिहास, संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने तथा युवा पीढ़ीला शिक्षण, सामाजिक प्रगती आणि अधिकारांविषयी जागरूक करण्याचा संकल्प व्यक्त केला। कार्यक्रम को सफल बनाने में स्थानीय नागरिकों एवं सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

तिरोड़ा में विश्व आदिवासी गौरव दिवस उत्साहपूर्वक मनाया

राष्ट्रवादी कांग्रेस की ओर से अल्पाहार वितरण

संवाददाता / तिरोड़ा

विश्व आदिवासी गौरव दिवस के अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार के तिरोड़ा शहर संगठन की ओर से रविवार, 9 अगस्त 2026 को रानी अवंतीबाई चौक में अल्पाहार वितरण कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गोंदिया जिला अध्यक्ष श्री रविकांतजी बोपचे प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर आदिवासी समाज की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति, गौरवशाली इतिहास तथा सामाजिक योगदान को नमन किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि आदिवासी समाज ने देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संरचना को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जल, जंगल और जमीन के संरक्षण के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत को संजोने में आदिवासी समाज का योगदान उल्लेखनीय रहा है। ऐसे में उनके अधिकारों, सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा की रक्षा करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यक्रम के दौरान रानी अवंतीबाई चौक से गुजरने वाले आदिवासी समाज के बांधवों एवं नागरिकों को अल्पाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सामाजिक एकता, भाईचारे और सर्वसमावेशी विकास का संदेश दिया गया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार के गोंदिया जिला अध्यक्ष श्री रविकांत बोपचे, महिला जिला अध्यक्ष मेघाताई बिसेन, जिला महासचिव नासिर घाणीवाला, शहर अध्यक्ष विजय बुद्धे, महिला अध्यक्ष श्रीमती मंदाताई टेंभरे, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष महेश कुकड़े, शहर युवा अध्यक्ष टिपू सैय्यद, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष जॉनी सैय्यद, मंगेश गेडाम, सरपंच रविंद्र भगत, डीलेन्द्र बिसेन, मंगेश दमाहे, यंद्रराज वासनिक, गुणराज भैरम, सुशील बोपचे, विनोद कुकड़े, प्रकाश करिहार, राजेश गोटफोड़े सहित पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

शहर के मार्ग पर डंटे रहते हैं मवेशी, दुर्घटना की बढ़ी आशंका

संवाददाता / गोंदिया

शहर के मुख्य मार्गों और चौराहों पर आवारा मवेशियों का जमावड़ा एक गंभीर समस्या बन गया है, जिसके कारण आए दिन यातायात बाधित होता है और गंभीर सड़क हादसे होने का खतरा बना रहता है। शहर से सटे फुलचुर, गांधी प्रतिमा, नेहरू चौक, स्टेशन मार्ग परिसर और मुख्य बाजार में आवारा मवेशियों का जमावड़ा एक गंभीर समस्या बन गया है। सड़कों के बीच डेरा डाले मवेशियों के कारण आए दिन गंभीर सड़क हादसे हो रहे हैं और यातायात में भारी बाधा उत्पन्न हो रही है। रात के समय तो इनके कारण और भी खतरा होता है।

मुख्य मार्गों और चौक-चौराहों पर मवेशियों के बैठे रहने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है। रात के समय अंधेरे में अचानक मवेशियों के सामने आने से वाहन चालक अनियंत्रित होकर दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों के लिए गंभीर चोट लगने का खतरा बना रहता है। गोरेगांव-गोंदिया राष्ट्रीय महामार्ग पर भी लावारिस मवेशियों का राज चल रहा है। यह मवेशी घंटों बीच सड़कों पर अपना कब्जा बनाएं बैठे रहते हैं। जिससे महामार्ग के यातायात में लगातार बाधा उत्पन्न होते आ रही है। साथ ही यह समस्या आवागमन करने वाले नागरिकों के लिए जानलेवा साबित हो रही है। लेकिन इस गंभीर विषय पर किसी का भी ध्यान नहीं है। जानकारी के अनुसार शहर और गोरेगांव-गोंदिया हाईवे पर लावारिस मवेशियों की एक बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही हैं। पिछले कुछ दिनों मे अचानक इनकी संख्या बढ़ गई है। हाईवे पर यह मवेशी बड़ी संख्या में दिखाई दे रहे हैं, जो यातायात में लगातार बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में भी बड़ी संख्या में मवेशी बीच सड़कों पर बैठे रहते हैं। रात के अंधेरे में मवेशी दिखाई नहीं देते हैं।

प्रायोगिक विज्ञान शिक्षा से रोजगार आसान

संवाददाता / सालेकसा

शंकरलाल अग्रवाल विज्ञान महाविद्यालय में प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया.

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एस. नारायण मूर्ति ने की. कार्यक्रम में वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अपर्णा खुरसेल, रसायन विज्ञान के प्रा. अविनाश डोणगापुरे, प्राणी विज्ञान के चौधरी, कम्प्यूटर विज्ञान की प्रा. सुनीता सुलाखे, भौतिक विज्ञान की प्रा. प्रणाली शिंगाड़े, क्रीड़ा विभाग के डॉ. संजय बिरनवार तथा ग्रंथालय विभाग अध्यक्ष प्रा. राहुल कवाड़े प्रमुख रूप से उपस्थित थे.

कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रा. डोणगापुरे ने रखी. प्राचार्य डॉ. मूर्ति ने कहा कि विज्ञान की प्रायोगिक शिक्षा विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करती है, जिससे रोजगार प्राप्त करना अधिक आसान हो जाता है. उन्होंने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विशेषताओं की जानकारी देते हुए बताया कि यह शिक्षा प्रणाली विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और रोजगारोन्मुखी कौशल को बढ़ावा देती है. उन्होंने महाविद्यालय में आयोजित रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का उल्लेख करते हुए उनका स्वागत भी किया.

कार्यक्रम के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय के विभिन्न विभागों, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, क्रीड़ा विभाग तथा उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी गई. समान अवसर केंद्र के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरीश देशमुख ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. मच्छिंद्र नंदेश्वर ने किया. कार्यक्रम में प्रथम वर्ष के सभी नवप्रवेशित विद्यार्थी, प्राध्यापक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे.

ग्रामीण क्षेत्रों में दूषित पानी

संवाददाता / तिरोड़ा

इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में जलापूर्ति योजना की बनी टंकियों में नदी, तालाब या बोरवेल के पानी पूर्ति की जाती है. वहीं जल शुद्धिकरण यंत्र नही होने से नागरिकों को दूषित पानी का उपयोग करना पड़ता है. प्रशासन इस ओर गंभीरता से ध्यान देकर ग्रामीण जलापूर्ति की टंकियों में शुद्ध पेयजल के लिए जल शुद्धिकरण यंत्र की व्यवस्था करें ताकि लोगों को शुद्ध जल मिल सके.

जनता त्रस्त, पर नगर पंचायत प्रशासन मस्त !

गोरेगांव के वार्ड क्रमांक एक में सड़क पर भरे पानी व कीचड़ से नागरिक हो रहे परेशान

संवाददाता / गोरेगांव

गोरेगांव नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक एक में बारिश के बाद सड़क की बदहाल स्थिति से नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. मुख्य सड़क पर जल और कीचड़ जमा हो जाने से आवागमन मुश्किल हो गया है.

नागरिकों का कहना है कि सड़क पर बने गहरे गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों को भी काफी परेशानी हो रही है. बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है. स्कूली विद्यार्थियों, बुजुर्गों और महिलाओं को इस मार्ग से गुजरते समय विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है. स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क की खराब स्थिति के संबंध में नगर पंचायत प्रशासन का ध्यान कई बार आकर्षित कराया गया है. इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है.

नागरिकों का आरोप है कि बारिश के दिनों में जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण स्थिति और गंभीर हो जाती है. नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासन से तत्काल सड़क की मरम्मत करने, गड्ढों को भरने तथा जल निकासी की व्यवस्था करने की मांग की है. साथ ही जल्द समस्या का समाधान नहीं होने पर नगर पंचायत का घेराव कर आंदोलन करने की चेतावनी दी है. नागरिकों का कहना कि उन्हें आश्वासन नहीं, बल्कि सड़क की वास्तविक मरम्मत और जलभराव से स्थायी राहत चाहिए.

अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा पुतड़ी-शेंडा मार्ग

संवाददाता / गोंदिया

जिले के अनेक मार्ग अपनी दुर्दशा पर आंसु बहा रहे है। जिसमें पुतडी-शेंडा मार्ग का समावेश है। यह मार्ग अब वाहन चालकों का सिरदर्द बढ़ा रहा है। इस मार्ग से आने-जाने में वाहन चालकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। देवरी तहसील अंतर्गत शहाकेपार-पुतडी-कोयलारी शेंडा होते हुए अर्जुनी को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क की हालत बहुत खराब है, और इस मार्ग से आने-जाने वाले नागरिकों को अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है।

सड़क का डामर उखड़ गया है और कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे वाहन चालकों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस मार्ग पर कई छोटी-मोटी दुर्घटनाएं भी हो चुकी है। इसके बावजुद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसका खामियाजा वाहन चालकों को भुगतना पड़ रहा है। क्या प्रशासन और जन प्रतिनिधि किसी दुर्घटना का इंतजार कर रहे हैं ऐसा सवाल क्षेत्र के नागरिकों द्वारा किया जा रहा है। यह क्षेत्र के कई गांवों को जोड़ने वाली एक प्रमुख सड़क है, इसलिए छात्र, किसान, मजदूर और अन्य नागरिक इस मार्ग का उपयोग करते हैं। पिछले कई दिनों से सड़क की मरम्मत नहीं होने के कारण स्थिति दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। सड़क का डामर पूरी तरह से उखड गया है, जिससे कई जगहों पर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। नतीजतन, चालकों को गड्ढों से बचते हुए गाड़ी चलानी पड़ रही है, जिससे विशेष रूप से दोपहिया वाहनों के लिए बड़ा खतरा निर्माण हो गया है। रात में यह गड्ढे दिखाई नहीं देते, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ जाती है।

नागरिकों ने शिकायत की है कि सड़क की खराब हालत के कारण इस मार्ग पर छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं। नागरिकों के अनुसार भविष्य में अगर किसी नागरिक, छात्र या चालक की गंभीर दुर्घटना में मृत्यु हो जाती है तो इसके लिए कौन जिम्मेदार होगा? क्षेत्र के नागरिकों ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन मार्ग की तत्काल मरम्मत नहीं करेगा तो वे कड़ा विरोध प्रदर्शन करेंगे।

पांच तहसीलों में अतिवृष्टि, पुजारीटोला और कालीसराड़ बांध के गेट खोले

चौबीस घंटे में 64.6 मिमी बारिश, खेत पानी में डूबे, धान की रोपाई जोरों पर

संवाददाता / गोदिया

जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान कहीं भारी तो कहीं बहुत भारी बारिश हुई। जिले की पांच तहसीलों में अतिवृष्टि दर्ज की गई है। चौबीस घटे में जिले में 64.6 मिमी औसत बारिश रिकार्ड की गई। 9 अगस्त को भी सुबह कुछ जिले के स्थानों पर झमाझम बारिश हुई। खेतों में बारिश का पानी एकत्रित होने से धान की रोपाई के काम में तेजी आयी है।

यदि इसी तरह का वातावरण बना रहा तो अगले कुछ दिनों में धान की रोपाई का काम शत-प्रतिशत पूरा होने की संभावना व्यक्त की गई है। जिले में झमाझम बारिश होने के चलते जलाशयों के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी दर्ज की गई। जिससे सुबह 6 बजे सालेकसा तहसील के पुजारीटोला जलाशय में जल नियंत्रण के लिए 8 गेट 0.60 मीटर तक खोले गए थे। जिसके बाद 6 गेट 0.90 मीटर एवं 2 गेट 0.60 मीटर तक खोले गए। जहां से 16 हजार 476 क्यूसेक पानी को नदी पात्र में छोड़ा गया। उसी प्रकार कालीसराड़ जलाशय में भी जलस्तर बढ़ने से पहले 2 गेट को 0.30 मीटर तक खोलकर जल निस्सारण किया गया। इसके बाद 4 गेट को 0.30 मीटर तक खोला गया एवं 3646.74 क्यूसेक पानी नदी पात्र में छोड़ा गया।

बोट जरुर करें सर्वाधिक बारिश आमगांव में जिलाधिकारी कार्यालय के नियंत्रण कक्ष से ली गई जानकारी के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान अर्थात 9 अगस्त को सुबह 10.11 बजे तक के आकडों के अनुसार जिले की गोंदिया तहसील में 86.8 मिमी, आमगांव में 91.9 मिमी, गोरेगांव में 77.9 मिमी, सालेकसा में 73.2 मिमी, देवरी में 81.4 मिमी बारिश के साथ अतिवृष्टि दर्ज की गई है। इसके अलावा तिरोड़ा में 32.5 मिमी, अर्जुनी मोरगांव में 35.8 मिमी एवं सड़क अर्जुनी तहसील में 39.4 मिमी बारिश रिकार्ड की गई। सर्वाधिक बारिश आमगांव तहसील में रही। 9 अगस्त को दिन भर मौसम बदरीला बना रहा। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश भी होने की जानकारी मिली है।

आदिवासी सम्मेलन १६ को

गोंदिया : आदिवासी दिवस निमित्त आदिवासी समाज एकता समिति गोंदिया ग्रामीण द्वारा मुख्य शाखा रावणवाड़ी में 16 अगस्त को आदिवासी संगठनों की 30 ग्राम शाखाएं मिलकर आदिवासी सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. आदिवासी सम्मेलन में मुख्य मार्गदर्शक के रूप में दादा सतीश पेंदाम (राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरसा ब्रिगेड नागपुर) उपस्थित रहेंगे. साथ ही आदिवासी सम्मेलन में आदिवासी समाज एकता समिति गोंदिया ग्रामीण के अध्यक्ष नरेंद्र खांडवाहे, सचिव गिरजाशंकर कुंजाम, उपाध्यक्ष राजू टेकाम, कोषाध्यक्ष दशरथ कंगाली, सदस्य देवेंद्र भोयर, धनराज दिहारी, उर्मिला प्रधान, अन्नूबाई मडावी, देवलाल शोरले, अनिल भोयर व अन्य उपस्थित रहेंगे.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक चंद्रकांत खंडेलवाल द्वारा भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरूनानक वॉर्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से मुद्रित कर गुरूनानक वार्ड, गोंदिया - 441601 (महाराष्ट्र) से प्रकाशित.
संपादक :- चंद्रकात खंडेलवाल, पी.आर.पी एक्ट के तहत जिम्मेदार *